विचार बिन्दु

मनस्वी पुरुष पर्वत के समान ऊँचे और समुद्र के समान गंभीर होते हैं। उनका पार पाना कठिन है। –माघ

चुनाव में हारते ही ईवीएम की पिटाई, कब तक?

हरयाणा के चुनाव सम्पन्न हुए। भाजपा विजयी हुई। कांग्रेस के लिए करीब-करीब सारे टीवी चैनल्स, राजनीतिक विश्लेषकों द्वारा विजय का आकलन था, जो 100 प्रतिशत गलत सिद्ध हुए।

हारी हुई कांग्रेस नें ओर बातों के साथ-साथ, ईवीएम पर भी अपनी हार का ठीकरा फोड़ा है। चुनाव आयोग को शिकायत की है। चुनाव आयोग कब और क्या करेगा अल्लाह, (नहीं-नहीं अकेला अल्लाह क्यों, सनातनी देवता, देवियां भी) जाने।

खैर इस बीच मंदिर में बैठे एक समूह में, ईवीएम पर कुछ रोचक और कुछ कुछ गम्भीर बातें सुनी, वो ही आपको भी सुनता हूँ।

एक व्यक्ति का प्रश्न था कि–जब हजारों मील दूर से बैंक एकाउंट, हवाई जहाज हैक हो सकते है, भूले-बिसरे से उपकरण पेजर के माध्यम से दुश्मन के ठिकाने ध्वस्त किए जा सकते है, एयरपोर्ट, एम्स जैसे अस्पतालों का पूरा सिस्टम स्टैंडस्टिल किया जा सकता है तो फिर EVM को हैक क्यों नहीं किया जा सकता?

दूसरे का उत्तर था–चुनाव आयोग के अनुसार, EVM स्टैंड अलोन मशीन है, बाहर के इलेक्ट्रॉनिक सिग्नल्स से पूर्णत: कटऑफ है, इसलिए इसको हैक नहीं किया जा सकता।

पहले नें कहा EVM सॉफ्टवेयर आधारित उपकरण है तो दूर से ऑपरेट क्यों नही हो सकती? सॉफ्टवेयर को डिजाइन इस ढंग से किया जा सकता है कि कुछ इंटरवल्स पर, पूर्व से मशीन में इंस्टाल किए प्रोग्राम के अनुसार वोटों की, एक उम्मीदवार के लिए सेलेक्टिव रिकार्डिंग शुरू कर दे और कुछ अंतराल में फिर वोटों की नॉर्मल रिकार्डिंग शुरू कर दे।

दूसरे का उत्तर था बात गले तो नही उतर रही।

अब तक शान्त तीसरे व्यक्ति नें बोला कि 6, 7 बार तो सुप्रीम कोर्ट, ईवीएम से चुनाव न करने वाली व इसमें गड़बड़ी की आशंकाओं वाली याचिकाएं खारिज कर चुका है। भारत के चुनाव आयोग नें भी सभी राजनीतिक दलों व आपत्ति करने वालों को अवसर दिया था कि उनके समक्ष ईवीएम को हैक करके दिखाओ..**किन्तु अभी तक तो कोई हैकिंग का प्रदर्शन कर नहीं सका।**

पहले व्यक्ति का प्रति उत्तर था कि अब तक कोई कर नहीं सका, इस से यह प्रमाणित नहीं होता कि यह मशीन हैक नही हो सकती। कोइ ईलेक्ट्रॉनिक उपकरण ऐसा नहीं हो सकता जिसको दूर से, इच्छानुसार, संचालित नहीं किया जा सकता। घर से बाहर रहते हुए फ्रिज, पंखे, टीवी, पीसी ऑपरेट किए जा सकते हैं तो फिर EVM क्यों नहीं??

इस तर्क के विपरीत समूह के एक दूसरे व्यक्ति का कहना था कि एक विधान सभा क्षेत्र में चुनाव कराने के लिए शुरू से अंत तक कम से कम 400, 500 व्यक्ति विभिन्न समय, विभिन्न प्रकार के काम करते है। इतने आदमियों के मध्य जो कार्य सम्पन्न हो, वहां से कोई EVM मशीन हैक कर दे बात समझ में तो नहीं आती।

अगर यह तर्क हो कि मतदान वाले दिन कोई ऐसा कर सकता तो भी मतदान दल के 6, 7 व्यक्तियों के बीच यह बात गोपनीय रह नही सकती। मान लो तर्क यह हो कि जिस प्रेजाइडिंग अधिकारी के पास मशीन को मतदान के लिए चालू बंद करने का अधिकार है, वह हैकिंग करना चाहे तो भी गोपनीय रखना मुश्किल ही लगता है।

लेकिन मान लें कि यह पीठासीन व्यक्ति किसी विशिष्ट पार्टी से संचालित विश्वशनीय व्यक्ति है तो भी उसे हैक करने वाला सॉफ्टवेयर तो पहले से देना पड़ेगा और यह भी अति गोपनीय ढंग से हो सके, ऐसी संभावनाएं भी शून्य जैसी लगती है। यदि ऐसा किया भी जा सके तो कितने पोलिंग बूथ्स पर यह करने पर किसी उम्मीदवार को जिताया जा सकेगा?? और किसी पार्टी को जिताने के लिए कितने निर्वाचन क्षेत्रों में ऐसा करना पड़ेगा ?? और क्या इतने बड़े पैमाने पर यह गोपनीयता बरकरार रखी जा सकती है??? शायद नहीं।

चुनाव के दौरान किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की शिकायतें भी होती है और निर्वाचन अधिकारी, चुनाव आयोग के पर्यवेक्षक मौके पर पहुंच कर समाधान भी करते है।

एक व्यक्ति का प्रश्न था कि–जब हजारों मील दूर से बैंक एकाउंट, हवाई जहाज हैक हो सकते है, भूले-बिसरे से उपकरण पेजर के माध्यम से दुश्मन के ठिकाने ध्वस्त किए जा सकते है, एयरपोर्ट, एम्स जैसे अस्पतालों का पूरा सिस्टम स्टैंडस्टिल किया जा सकता है तो फिर EVM को हैक क्यों नहीं किया जा सकता?

इस पर एक दूसरे व्यक्ति नें कहा से मतदान और विविपेट मशीन पर भिन्न व्यक्ति नाम आने से सम्बन्धित शिकायत का तो कोई संतोषप्रद समाधान नहीं होता।

उसने आगे बताया कि उसके एक दोस्त नें वोट किसी को दिया और विविपेट मशीन पर नाम किसी ओर का दिखाया। उसने तत्काल जिला निर्वाचन अधिकारी व ECI को शिकायत की। उसके पास टेलीफोन भी आया। उसे मतदान केंद्र पर वापिस बुलाया, उसे सुना। जो दल सुनवाई करने आया, उसने कहा, **सबसे पहले आपको शपथपत्र** देना होगा कि यदि शिकायत गलत पाई तो आपराधिक कार्यवाही की जा सकती है।

पहली बात तो यह थी कि आपराधिक कार्यवाही के लिए शपथपत्र की आवश्यकता, वह बिना इसके भी की जा सकती है। **उस व्यक्ति नें आगे कहा कि उसके दोस्त नें पूछा कि शपथपत्र देने से पहले यह बताई की जांच कैसे करोगे??**

इस पर मोटामोटी उस टीम का कहना था, इस मशीन को हटा के दूसरी मशीन से आगे की वोटिंग होगी। उसका भी टेंडर वोट डलवाया जाएगा। उस मशीन को शील किया जाएगा और गणना के समय कम्पनी के टेक्निकल अधिकारी जिस वोट पर ऑब्जेक्शन हुआ उसे अलग करेंगे आदि आदि....।

मेरे खपती दोस्त नें कहा बात समझ में नही आई कि उसका पहली मशीन में डाल वोट अलग से कैसे पहचाना जाएगा? उसके उस टीम की बात समझ में नही आई और उसने शपथपत्र नहीं दिया। मतदान के बाद व गणना सम्पन्न होने के बाद ECI से उसके पास मेल आया कि आपकी शिकायत का समाधान कर दिया गया।

पहले वाले व्यक्ति नें फिर कहा कि पीठासीन अधिकारी और हैकिंग वाली जो बात कही उस से भी यह तो सामने आता ही है कि यदि पीठासीन अधिकारी चाहे तो हैकिंग सम्भव है!! जब हजारों किलोमीटर से पेजर को सिग्नल देकर सर्किट को चालू कर विस्फोट किया जा सकता है तो वोटिंग मशीन को सिग्नल क्यों नहीं दिया जा सकता?? सॉफ्ट वेयर है तो हैकिंग सम्भव है। हैकर किसी के खाते से पैसे निकाल लेते है और एकाउंट फिर चालू कर देते है **तथा सॉफ्टिस्टकेटेड हथियारों से लेकर रोजमर्रा की जिंदगी में ऐसे अनेक उदाहरण गिनाए जा सकते है जहां पूर्व स्थापित सॉफ्टवेयर को दूर से सिग्नल भेज कर ऑपरेट किया जा सकता है और किया जाता है।**

हैकिंग को नामुमकिन मानने वालों में से एक नें कहा मशीन वोटिंग के लिए तैयार करने से लेकर, चुनाव सम्पन्न होने तक की सारी कार्यवाही उम्मीदवारों के पोलिंग एजेंट्स के सामने होती है।कितने वोट पड़े उसका पूरा विवरण उन्हें दिया जाता है। **गड़बड़ी की शून्य गुंजाइस है।**

हैकिंग को सम्भव मानने वाले भाई नें मैदान नहीं छोड़ा और उसका सबसे बड़ा तर्क था कि कोई भी इलेक्ट्रॉनिक गजेट दूर से ऑपरेट किया जा सकता है तो वोटिंग मशीन भी हैक कर मन माफिक वोटिंग के लिए ऑपरेट की जा सकती है।

अभी तक शांत एक व्यक्ति नें कहा कि चुनाव कराना कोई बड़ी बात नहीं, उनकी **विश्वसनीयता सबसे महत्वपूर्ण है।** चुनाव तो अफ्रीका, साउथ अमेरिका, कई एशियन देशों से में भी होते है किंतु जनता परिणामों पर विश्वास नहीं करती और **ऐसे कई देशों में लोकतंत्र हिचकोले ही खाता** रहता है। पड़ोसी देश पाकिस्तान ही को उदाहरण के लिए ले ले।

भारत का चुनाव आयोग एक अत्यंत महत्वपूर्ण, लोकतंत्र की रक्षा करने वाली संस्था है। इसकी कार्यप्रणाली स्वत:, रति भर सन्देह से भी परे पारदर्शी होनी चाहिए किन्तु क्या हमारे ECI पर ऐसा गर्व किया जा सकता है? **टीएन शेषन से लेकर कई अन्य चुनाव आयुक्तों पर नि:सन्देह देश को गर्वित होना चाहिए किन्तु क्या अब ECI पर ऐसा गर्व किया जा सकता है, शायद नहीं।**

अभी तक शांत एक व्यक्ति एकाएक कुछ आवेशित सा होकर बोला कि **कुछ लोगों की हमेशा देश व देश की संस्थाओं को नीचा दिखाने की आदत हो गई है । मौके, बेमौके केवल आलोचना करना ही उनका काम है।**

साथ वाले नें थोड़ा शांत करवाते हुए कहा,भाई जान, प्रश्न पूछना से देश व देश की संस्थाएं बदनाम नही मजबूत होती है। देश व संस्थाएं कोई छुई मूई के पौधे है जो अलीचना हुई नहीं कि मुरझा जाए।

चुनाव प्रक्रिया से जनता संतुष्ट हो, ECI के लिए यह सर्वाधिक महत्वपूर्ण होना चाहिए। इसके लिए प्रत्येक विधान सभा क्षेत्र में रैंडम चयनित 2, 4, 5 % पोलिंग बूथ्स पर विविवेट्स की भी गणना की जानी चाहिए, जिस से इस मशीन से चुनाव कराने पर लोगों को संतुष्टि हो, कोई संदेह न रहे। विभिन्न राजनीतिक दलों व रेपुटेड संगठनों की अर्जियों पर शीघ्रातिशीघ्र सुनवाई की जानी चाहिए ताकि उनके माध्यम से जनता को EVM की विश्वशनियता पर संतुष्टि हो।

और अंत में, ECI द्वारा यह कहना कि EVM हैक नहीं हो सकती, पर्याप्त नहीं। ECI को विस्तार से जनमानस को संतुष्ट करने चाहिए कि जन मानस में जो कई प्रकार के प्रश्न है, उनके होते हुए भी, EVM क्यों नही हैक हो सकती?? शांतिपूर्वक, यथाविधि कराना ECI का दायित्व है और उस से भी उपर है इसकी विश्वशनियता हो।

–अतिथि सम्पादक,
महावीर सिंह,
आई.ए.एस. (से.नि.)

महामारी का रूप लेता जा रहा डेंगू प्रकोप

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

भले ही डेंगू के कारण मौत के आंकड़ें अधिक ना हो पर यह साफ है कि देश दुनिया में डेंगू का प्रकोप महामारी की तरह बढ़ता जा रहा है। देश के किसी भी हिस्से में चले जाओं डॉक्टरों व क्लिनिकों के बाहर बुखार से पीड़ितों की लंबी कतार देखी जा सकती है। डेंगू का पता ही तीन चार दिन बाद चलता है ऐसे में शुरुआत में तो बुखार का ही ईलाज किया जाता है। डेंगू की सामान्य धारणा प्लेटरेट्स में कमी आने को माना जाता है पर उससे भी गंभीर हो जाता है बीपी का अनियंत्रित खासतौर से बीपी स्तर में कमी आना होता है। डेंगू में उल्टी आना भी संकट का कारण बन जाता है। उल्टी के कारण डिहाईड्रेशन भी गंभीर हालत में ले जाता है। डेंगू का असर लीवर पर होता है। इसलिए डॉक्टरों द्वारा आराम करने की सलाह के साथ ही शरीर में पानी की कमी नहीं होने देने की सलाह दी जाती है।

एलोरा के ज्यूस व तरल पदार्थ अधिक लेने का सुझाव होता है तो कोल्ड ड्रिंक का उपयोग नहीं करने की सलाह भी दी जाती है। डेंगू की चार स्टेज मानी जाती है और खासतौर से डीएसएफ यानी डेंगू हेमरेजिंग फीवर और उससे भी अधिक डीएसएस यानी कि डेंगू शॉक सिन्ड्रोम अधिक गंभीर हो जाता है। खैर चिंता की बात यह है कि देश में इस समय तेजी से डेंगू का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। बरसात में पानी जमा होने से डेंगू का मच्छर आसानी से उसमें पनप जाता है और सामान्यत: सुबह और शाम को ही अपना असर दिखाता है। कहा तो यह भी जाता है कि डेंगू मच्छर की पहुंच सामान्य आदमी के पांवों तक ही होती है। पर असर गहरा दिखाता है। भले ही हम कितने ही दावें करें पर साफ-सफाई की व्यवस्था हमारे शहरों में अच्छी नहीं है और उसका परिणाम मच्छर जनित रोगों का अत्यधिक यहां तक कि छठ-बारह महीने देखने को मिल जाता है। अब तो मच्छर गर्मी के मौसम में भी अपने आप को एडजस्ट करने लगे हैं।

भारत सहित दुनिया के देशों में बरसात के मौसम से डेंगू का प्रकोप तेजी से बढ़ने लगता है। हांलाकि पिछली गर्मियों में भी डेंगू के मामलें बहुत ज्यादा सामने आये। लाख प्रयासों के बावजूद डेंगू पर नियंत्रण हो नहीं पा रहा है। डेंगू का प्रकोप दुनिया के अन्य देशों की तरह ही हमारे देश में भी 1780 से ही देखा जा रहा है। दुनिया के देशों में जहां 1779-80 में एशिया, उत्तरी अमेरिका, अफ्रीका आदि में पहली बार देखे गए वहीं 1780 में भारत में मद्रास जो अब चैन्नई में सामने आया था। विश्व स्वास्थ्य संगठन सहित दुनिया के देश डेंगू को लेकर अब गंभीर हो गए हैं। इसका बड़ा कारण है कि दुनिया के 130 देश डेंगू की जद में आ चुके हैं। ऐसा माना जा रहा है कि इस समय 4 अरब लोग डेंगू से प्रभावित हो रहे हैं और 2050 तक यह आंकड़ा पांच अरब को पार कर जाएगा। भारत की बात की जाए तो देश के लगभग हर प्रदेश में डेंगू के नित नए केस सामने आ रहे हैं। भले ही यह माना जाता हो कि डेंगू के कारण मौत की दर बहुत कम है और सामान्यत: डेंगू सामान्य पेरासिटामोल और डॉक्टरों के सलाह के अनुसार पेय पदार्थ एलोरा ज्यूस आदि लेने से ठीक हो सकता है। हांलाकि कोल्ड ड्रिंक की सलाह नहीं दी जाती है। सामान्यत: यह माना जाता है कि डेंगू के कारण तेजी से प्लेटरेट में कमी आती है पर विशेषज्ञों का मानना है कि प्लेटरेट से भी ज्यादा गंभीर होता है ब्लड प्रेशर में कमी आना है। प्लेटरेट के साथ ही ब्लडप्रेशर को नियंत्रित रखना जरुरी हो जाता है। यह ध्यान रखना अधिक जरुरी हो जाता है कि ब्लड प्रेशर लो नहीं होना चाहिए। डेंगू का असर सीधे लीवर पर पड़ता है और ब्लड के अंत:स्राव की समस्या हो जाती है। जो अपने आप में गंभीर होती है। उल्टी होने से डिहाईडेशन की समस्या अधिक गंभीर हो जाती है। दरअसल एक समस्या यह है कि डेंगू का पता भी तीन चार दिन बाद पता चलता है। इसलिए सावधानी सबसे बड़ी जरुरी हो जाती है। खैर सबसे अधिक चिंतनीय यह है कि डेंगू का प्रकोप तेजी से बढने के कारण विश्व स्वास्थ्य संगठन अब अधिक गंभीर हो गया है।

गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि इंडोनेसिया में डोन से सर्वे कर मच्छरों के लार्वा की खोज करके नष्ट करने का यह परिणाम रहा है कि डेंगू के मामलों में 70 फीसदी तक कमी आई है। डेंगू से बचाव के लिए डेंगू मच्छर का खात्मा करने वाले एंटीडेंगू मच्छर को दुनिया के करीब 14 देशों में छोड़े जाने का निर्णय किया गया है। वैज्ञानिकों द्वारा प्रयोगशाला में एंटीडेंगू मच्छर का सफल प्रयोग किया जा चुका है और ब्राजील में बड़ा केन्द्र बनाते हुए बोल्वाशिया मच्छर का उत्पादन आरंभ कर दिया गया है। हांलाकि किन किन 14 देशों में एंटी डेंगू मच्छरों को छोड़ा जाएगा यह निर्णय विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा अभी किया जाना है। डेंगू की गंभीरता को देखते हुए ही गैर सरकारी वर्ल्ड मास्कीटों प्रोग्राम के तहत एंटीडेंगू मच्छर विकसित किया गया है। 2023 में इंडोनेशिया में इनका प्रयोग किया जा चुका है और इनके प्रभाव से 95 प्रतिशत तक सकारात्मक प्रभाव देखा गया है।

हालांकि 2011 में आस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड में लगातार चार बरसाती सीजन में एंटीडेंगू मच्छर का प्रयोग किया गया और दावा किया गया कि वहां चार बरसातों में एक भी डेंगू का मामला सामने नहीं आया। इन मंच्छर में एक बैक्टिरिया वोल्वाशिया पापीएंटिस डाला गया है। वैज्ञानिकों का दावा है कि इससे बीमारी वाले मच्छरों को वायरस फैलाने से रोकने में सफल होंगे। अब तक के परीक्षणों में यह खरे भी उतरे हैं। डेंगू की भयावहता को इसी से समझा जा सकता है कि 16 मई को भारत में राष्ट्रीय डेंगू दिवस मनाया जाने लगा है। इस दिवस के आयोजन के माध्यम से लोगों में अवेयरनेस जागृत की जाती है। दरअसल डेंगू एडीज एजिप्टी प्रजाती की मादा मच्छर के कारण तेजी से फैलता है। बरसात के दिनों में यह मच्छर तेजी से फैलता है। जमा पानी और गंदगी आदि में डेंगू मच्छर तेजी से बढ़ते हैं। जुलाई से सितंबर, अक्टूबर तक डेंगू का प्रकोप अधिक रहता है। शुरुआती दो तीन दिन तक तो जांच में पता ही नहीं चलता है। डेंगू में 3 से 7 दिन अधिक गंभीर होते हैं। प्लेटरेट्स में तेजी से गिरावट होती है। हांलाकि डेंगू के कारण मौत तुलनात्मक रुप से कम है पर डेंगू का प्रभाव क्षेत्र लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में एंटीडेंगू मच्छर शुभ संकेत माने जा सकते हैं।

डेंगू के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए देश में ड्रोन का प्रयोग अधिक उपयोगी सिद्ध हो सकता है। इंदोर में डेंगू मच्छरों को नष्ट करने के लिए ड्रोन के उपयोग का निर्णय किया गया है। देश के अन्य हिस्सों में भी ड्रोन का उपयोग प्रयोग के रुप में किया जाने लगा है। सवाल साफ है कि डेंगू के प्रकोप को चुनौती के रुप में लेते हुए सरकार को ठोस प्रयास करने होंगे। स्वास्थ्य के क्षेत्र में सरकारी और गैरसरकारी सभी संस्थाओं को आगे आना होगा और सबसे अधिक लोगों में अवेयरनेस के साथ ही स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता और सफाई के प्रति चेतना विकसित करनी होगी। आज खेती में ड्रोन का प्रयोग बढ़ता जा रहा है। ऐसे में मच्छरों के रोकथाम के लिए ड्रोन का प्रयोग अधिक उपयोगी सिद्ध हो सकता है। शहरी सरकार को ड्रोन का उपयोग करते हुए फोगिंग करानी चाहिए और मच्छरों को फैलने से रोका जाना चाहिए। इसके लिए सरकारी अस्पतालों में डेंगू के ईलाज पर नि:शुल्क दवा वितरण के बजट का कुछ अंश भी इस पर खर्च किया जाता है तो डेंगू को रोकने के कारगर प्रयास हो सकते हैं।

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा,
(वरिष्ठ लेखक)

उदयपुर के डॉ. पण्ड्या की शोध पुस्तक "इनसाइड द टेरिफाइंग वर्ल्ड ऑफ जैश-ए-मोहम्मद" का विमोचन

आतंकवाद मानवाधिकारों का सबसे बड़ा मौलिक उल्लंघन है : केन्द्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी

नई दिल्ली। केन्द्रीय पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने नई दिल्ली के एक होटल में उसानास फ़ाउण्डेशन उदयपुर (राजस्थान) के संस्थापक और सीईओ डॉ. अभिनव पण्ड्या की श्रमसाध्य शोध पुस्तक "इनसाइड द टेरिफाइंग वर्ल्ड ऑफ जैश-ए-मोहम्मद" का विमोचन किया।

इस अवसर पर दिल्ली के पूर्व उपराज्यपाल (एलजी) तेजेंद्र खन्ना, पूर्व राजदूत एवं जाने-माने लेखक और साहित्यकार अनिल त्रिगुणायत, कई अनुभवी राजनयिक और शिक्षाविदों के साथ ही रक्षा प्रतिष्ठान के वर्तमान और सेवानिवृत्त अधिकारी उपस्थित थे। इस मौके पर केन्द्रीय पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि आतंकवाद मानवाधिकारों का सबसे बड़ा मौलिक उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि मैंने एक राजनयिक के रूप में अपने करियर के दौरान आतंकवादी समूहों द्वारा 'विचारधारा' के रूप में पेश की गई दोषपूर्ण कथाओं से बहुत शिद्धत के साथ निपटा है और हमेशा यह माना है कि आतंकवाद मानवाधिकारों के सिद्धान्तों के खिलाफ एक बड़ा अपराध है। पुरी ने कहा कि मुझे अत्यधिक ज्ञानवान दर्शकों की इस बड़ी सभा में शामिल होकर बहुत प्रसन्नता हुई है। इस अवसर पर पुस्तक चर्चा सत्र में पूर्व उप सेनाध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल आर के साहनी, भारतीय सेना के सेवानिवृत लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हुसैन, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के अतिरिक्त सचिव शिव मुरारी सहाय तथा डॉ. अभिनव पण्ड्या ने पुस्तक के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला।

प्रारम्भ में उसानास फ़ाउण्डेशन की निदेशक डॉ. अनीता जैन ने फ़ाउण्डेशन के उद्देश्यों की जानकारी दी और बताया कि जम्मू कश्मीर के राज्यपाल के सलाहकार रहे डॉ. अभिनव पण्ड्या की पुस्तक का यह तीसरा संस्करण हैं।

केन्द्रीय पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने नई दिल्ली में डॉ. अभिनव पण्ड्या की शोध पुस्तक का विमोचन किया।

बीकानेर और श्रीगंगानगर बॉर्डर पर एंटी ड्रोन सिस्टम और जैमर लगाया

बीकानेर, (निसं)। बीकानेर और श्रीगंगानगर बॉर्डर पर ड्रोन से हेरोइन तस्करी को रोकने के लिए चार बीओपी पर एंटी ड्रोन सिस्टम और एक जैमर लगाया गया है। अब तस्करों को पकड़ने के लिए सड़कों पर 266 सीसीटीवी कैमरे लगाने की तैयारी की जा रही है।

बीकानेर से सटी भारत-पाक सीमा पर तीन साल में 18.53 किलो हेरोइन, 26.88 किलो अफीम, 56910 टर्माडोल, हथियार और सात संदिग्ध पकड़े जा चुके हैं। पिछले दिनों नीलकंठ बीओपी एरिया में 11 करोड़ की हेराइन मिली थी। इस मामले में छह तस्कारों को पकड़ा गया था, जिसमें तीन पंजाब के थे। हेरोइन तस्करी की ज्यादा घटनाएं अनूपगढ़ और श्रीगंगानगर बॉर्डर एरिया में हो रही हैं। इन सभी पर कड़ी निगरानी रखने और तस्करों को पकड़ने के लिए रेंज के आईजी ओमप्रकाश ने 266 सीसीटीवी कैमरे लगाने के प्रस्ताव सरकार को भेजे हैं। यह कैमरे बॉर्डर के गांवों के अलावा भारतमाला पर भी लगाए जाएंगे। इन कैमरों से दूसरे राज्यों से आने वाले वाहनों और संदिग्ध व्यक्तियों पर पर नजर रहेगी। वारदात होने पर उन्हें जल्दी ट्रैस कर पकड़ा जा सकेगा। हालांकि हेरोइन तस्करी रोकने के लिए चार सीमा चौकियों पर एंटी ड्रोन सिस्टम लगाया गया है। इसके अलावा एक स्थान पर जैमर भी लगाया है। पाक ड्रोन उसकी रेंज में आने के बाद बेअसर होकर नीचे गिर जाता है।

■ **हेरोइन तस्करी को रोकने के लिए मददगार साबित होंगे एंटी ड्रोन सिस्टम और जैमर**

वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के तहत राजस्थान की पश्चिमी सरहद के इलाकों के रहने वाले युवा भी पाक की नापाक हरकतों को रोकने में बीएसएफ के मददगार बन रहे हैं। बॉर्डर के 5 गांवों के 80 युवाओं को प्री रिक्रूटमेंट ट्रेनिंग के जरिए केंद्रीय सुरक्षा बल और केंद्रीय अर्द्ध सैनिक बलों में जाने की राह दिखाई जा रही है। इसकी जिम्मेदारी बीएसएफ में तीन बटालियनों को दी गई है। अलादीन, 33केजेडी गांव 114 बटालियन, गोकुलगढ़ 124 बटालियन, 16 केएनडी और 21 केएनडी के युवाओं को 140 बटालियन के जवान ट्रेनिंग दे रहे हैं। इस दौरान युवाओं को रोज सुबह फिजिकल एक्सरसाइज, योगासन के बाद जनरल अवेयरनेस, मेंटल एप्टिट्यूड, मैथेमेटिक्स, कंप्यूटर, इंग्लिश ग्रामर भी पढ़ाई जाती है। इनमें स्कूल, कॉलेज छात्रों के अलावा वे युवा भी हैं, जो सेना में भर्ती होने या सरकारी नौकरी पाने के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। बीएसएफ बीकानेर सेक्टर के डीआईजी अजय लूथरा ने बताया कि सिविक एक्शन प्रोग्राम सालभर चलता है, जिसमें गांव के स्कूली बच्चों को अध्ययन सामग्री और खेलकूद के लिए किट दिए जाते हैं। उसी के तहत इन युवाओं को भी स्पोर्ट्स किट और स्टडी मेटेरियल दिया गया है।

राशिफल गुरूवार 17 अक्टूबर, 2024

पंडित अनिल शर्मा

अश्विन मास, शुक्ल पक्ष, पूर्णिमा, गुरूवार, विक्रम संवत 2081, रेवती नक्षत्र सायं 4:20 तक, हर्षण योग रात्रि 1:42 तक, विष्टि करण प्रात: 6:48 तक, चन्द्रमा आज सायं 4:20 से मेष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-मीन, मंगल-मिथुन, बुध-तुला, गुरू-वृष, शुक्र-वृश्चिक, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से सम्पूर्ण दिन-रात है। भद्रा प्रात: 6:48 तक है। आज कार्तिक संक्रांति सूर्य तुला में प्रवेश प्रात: 7:42, पूण्य काल 2:07 तक है। पंचक सायं 4:20 पर समाप्त होंगे। आज सत्य व्रत, कार्तिक स्नान आरम्भ होंगे।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:54 तक, चर 10:47 से 12:14 तक, लाभ-अमृत 12:14 से 3:07 तक, शुभ 4:14 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:31, सूर्यास्त 5:53

मेष
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मानसिक तनाव और भय बना रहेगा।

सिंह
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

धनु
घर-परिवार में वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष
व्यावसायिक आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी।

कन्या
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

तुला
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक मामलों में उचित परामर्श मिलेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

कर्क
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों के कारण बाहर जाना पड़ सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

मीन
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।